http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 98

प्रयागराज मंगलवार 24 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

एके-47, विदेशी पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस, ऐसे हुआ एनकाउंटर

● आगे की जांच जारी- एडीजी

पीलीभीत,(एजेंसी)। पीलीभीत के पूरनपुर में मारे गए तीनों आतंकी पंजाब के गुरदासपुर जिले के रहने वाले थे। इन तीनों ने वहां पुलिस चौकी पर हमला किया था। इसके बाद पूरनपुर में आकर छिपे थे। पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन खलिस्तानी आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया। इन आतंकियों ने पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड और बम से हमला किया था। इसके बाद तीनों पूरनपुर क्षेत्र में आकर छिप गए थे। सोमवार सुबह करीब पांच बजे यहां हरदाई ब्रांच नहर के समीप हुई मुठभेड़ में तीनों मारे गए। मुठभेड़ में यूपी पुलिस के दो सिपाही भी घायल हुए हैं। सिपाहियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, मुठभेड़ के बाद पुलिस ने तीन किलोमीटर का एरिया सील कर दिया। गहनता से जांच पड़ताल की। मारे गए आतंकियों के पास दो एके-47, दो विदेशी पिस्टल और पूरनपुर से चुराई गई बाइक बरामद हुई है। पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अविनाश पांडेय ने बताया कि पंजाब के गुरदासपुर जनपद में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड फेंके गए थे। जिन संदिग्धों ने यह घटना को अंजाम दिया, वे पूरनपुर में छिपे हुए थे। उसी क्रम में पंजाब के गुरदासपुर की पुलिस टीम थाना पुरनपूर पर आई थी। यहां संदिग्धों की तलाश शुरू की गई। खमरिया प्वाइंट पर पिकेट ने सूचना दी कि सोमवार तड़के एक बाइक पर तीन संदिग्ध पीलीभीत की तरफ जा रहे थे। पूरनपुर और गुरदासपुर की पुलिस टीम ने पीछा किया। आगे चलकर ये संदिग्ध निर्माणाधीन पुल से माधोटांडा की तरफ मुड़ गए। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने भारी फायरिंग की। एसपी के मुताबिक पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीनों युवकों के गोलियां लगीं।

पीएम ने बांटे 71000 नियुक्ति पत्र

ओबीसी में 20901, तो एससी श्रेणी में 11355 नौकरियां

● डेढ़ साल में करीब 10 लाख पक्की नौकरी दी, पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया: प्रधानमंत्री

● सरकार की नीतियों और निर्णयों से देश में रोजगार तथा स्वरोजगार के नए अवसर बन रहे हैं: मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार की नीतियों और निर्णयों से देश में रोजगार तथा स्वरोजगार के नए मौके बन रहे हैं और भारत का युवा नये आत्मविश्वास से भरा हुआ है। श्री मोदी ने रोजगार मेले के अवसर पर वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से 71,000 से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। नव नियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा , "आज भारत का युवा, नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। वह हर सेक्टर में अपना परचम लहरा रहा है।" नयी शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए देश दशकों से एक आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की जरूरत महसूस कर रहा था। उन्होंने कहा, "नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के जरिए देश अब उस दिशा में आगे बढ़ चुका है। आज हमारी सरकार की नीतियों और निर्णयों से ग्रामीण भारत में भी रोजगार और स्वरोजगार के नए मौके बन रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिला है, उन्हें अपने मन का काम करने के लिए मौका मिला है। महिला सशक्तीकरण को उनकी सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा , "हमारा प्रयास है कि हर क्षेत्र में महिलाएं आत्मनिर्भर बनें।" रोजगार मेला देश भर में 45 स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है। नव नियुक्त कर्मियों को केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज, 23 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नवनियुक्त 71,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। पीएम मोदी का संबोधन अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की सभी नीतियां बनाते समय युवाओं का विशेष ध्यान रखा जाता है। पिछले एक दशक की सभी योजनाएं (आत्मनिर्भर भारत अभियान, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टैंडअप इंडिया आदि। युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं। सरकार ने अपने स्पेस सेक्टर में नीतियां बदलीं और डिफेंस सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया। इसका सबसे अधिक लाभ युवाओं को हुआ।

नीतीश अपना चेहरा चमकाने के उद्देश्य को लेकर यात्रा पर निकले हैं: एजाज

पटना,(एजेंसी)। बिहार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रवक्ता एजाज अहमद ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना चेहरा चमकाने के उद्देश्य को लेकर यात्रा पर निकले हैं। राजद प्रवक्ता ने श्री कुमार की प्रगति यात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि बिहार में 20 सालों में प्रगति के कार्य कहीं दिख नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुल -पुलिया गिर रहे हैं, भ्रष्टाचार को सदाचार और शिष्टाचार का रूप दे दिया गया है, महिलाओं पर अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह से समाप्त हो गया है।शासन और प्रशासन पर से सरकार की पकड़ समाप्त हो गई है, साथ ही महंगाई बढ़ रही है। श्री अहमद ने कहा, नीति आयोग की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिहार विकास के सूचकांक के मामले में सबसे फिसड्डी राज्य है। चाहे चिकित्सा का क्षेत्र हो ,शिक्षा का क्षेत्र हो या बिल्डिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का क्षेत्र हो सभी मामलों में बिहार पूरी तरह से फिसड्डी है। उसके बाद भी किस प्रगति को दिखाने और देखने के लिए मुख्यमंत्री जी प्रगति यात्रा कर रहे हैं यह समझ से परे है। जहां प्रगति नहीं हुई है,वहां पर प्रगति यात्रा पर 226 करोड़ जनता की गाढ़ी कमाई को बर्बाद करने का एक तरीका है। श्री कुमार अपना चेहरा चमकाने के उद्देश्य को लेकर यात्रा पर निकले हैं।

किसानों की समृद्धि के लिये लगातार हो रहे हैं काम: सीएम योगी

● सीएम योगी ने वितरित किए ट्रैक्टर, बोले- मोदी सरकार में किसानों के लिए किए गए काम विश्व के लिए मॉडल

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश की समृद्धि के लिये अन्नदाता किसान को समृद्ध हो जरुरी है और इसे ध्यान में रखते हुये डबल इंजन की सरकार लगातार काम कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री और किसानो के मसीहा माने जाने वाले चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हे श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये श्री योगी ने कहा " चौधरी साहब कहा करते थे कि किसान गरीब होगा तो भारत अमीर नहीं हो सकता। भारत को समृद्ध बनाने के लिए अन्नदाता किसान को समृद्ध बनाना पड़ेगा। इसे ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। किसानों के लिए 2014 से जो प्रयास प्रारंभ हुआ, दुनिया उसे मॉडल के रूप में ले रही है।" मुख्यमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती शकिसान सम्मान दिवसश पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होने विधानसभा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अंतर्गत 11कृषकों को ट्रैक्टर की चाबी दी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होने कहा कि आजादी के बाद किसानों के मुद्दों को लेकर चौधरी चरण सिंह का कांग्रेस के साथ मतभेद हुआ था, लेकिन श्री मोदी ने पहली बार किसानों को भारत के राजनीतिक एजेंडे व सरकार की प्राथमिकताा बनाने का कार्य किया।स्वॉयल हेल्थ कॉर्ड, उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने, खेती को तकनीक से जोड़ने, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं से किसानों की उन्नति के लिए कार्य किए जा रहे हैं। श्री योगी ने कहा कि 2014 में पीएम ने कहा था कि हमें किसानों की आमदनी को दोगुना करना है। प्रदेश में 1996 से 2017 तक (22 वर्ष) में कुल 95 हजार करोड़ रुपये गन्ना किसानों के खाते में गया था, लेकिन 2017 से अब तक 2 लाख 61 हजार करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजा गया है। पीएम मोदी का जोर है कि लागत को कम करना व उत्पादन को बढ़ाना है और इसी के माध्यम से किसान को समृद्ध व खुशहाल कर सकते हैं।

आप ने की अमित शाह को गृहमंत्री पद से हटाने की मांग

अजमेर,(एजेंसी)। राजस्थान में आम आदमी पार्टी (आप) की अजमेर इकाई की ओर से जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी पर स्वतरूसंज्ञान लेकर उन्हें गृहमंत्री पद से 'बर्खास्त् करने की मांग की है । आप पार्टी अनुसूचित जाति इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पंकज जटिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता अजमेर में जयपुर रोड स्थित डाक बंगला पर एकत्रित हुये और यहां से बाबा साहेब के समर्थन और अमित शाह के विरोध में नारेबाजी करते हुये जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में राष्ट्रपति को बताया गया है कि गृहमंत्री की टिप्पणी ने देश को स्तब्ध कर दिया है। उनकी टिप्पणी अम्बेडकर.. अम्बेडकर.. बोलना फैशन बन गया है। इससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई है । गृहमंत्री ने अपने कथन को जायज ठहराया है और प्रधानमंत्री ने इसका समर्थन कर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। परिणामस्वरूप पूरा देश उद्वेलित है और गृहमंत्री के कथन का विरोध कर उनसे माफी मांगने की मांग कर रहा है । उन्होंने राष्ट्रपति से अमित शाह को गृहमंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग की है।

हैवानियत की हदें पार

● चार साल के मासूम का गला रेता... हाथ-पैर भी काट डाले, इसलिए लाश जला आधा धड़ किया गायब

मुरादाबाद,(एजेंसी)। रामपुर के गंगापुर कदीम गांव में चार साल के बालक का शव मिलने पर घर में कोहराम मच गया। बालक के हत्यारों ने बेरहमी व हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। उसका गला रेतकर बायां हाथ भी काट दिया था। रामपुर से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। केमरी थाना इलाके के गंगापुर कदीम गांव में घर के बाहर खेल रहे चार साल के बालक को अगवाकर हत्या कर दी गई। उसका बिना का अधजला शव नाले में मिला है। बच्चे के दादा ने पड़ोस में रहने वाले दंपती समेत तीन के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट कराई है। गंगापुर कदीम निवासी दानिश मेलों में झूला चलाकर परिवार का पालन पोषण करता है। दानिश का चार वर्षीय पुत्र बिलाल शनिवार की सुबह करीब घर के पास खेलते-खेलते गायब हो गया था। परिजनों ने पुलिस को भी सूचना दी। रविवार दोपहर में बच्चे का अधजला शव उसके घर से करीब तीन सौ मीटर दूर गंदे नाले में एक प्लास्टिक के कट्टे से ढका हुआ मिला। बालक के शरीर का आधा हिस्सा बरामद हुआ है। उसकी कलाई से हाथ भी कटा हुआ है। मासूम की हत्या की सूचना पर एसपी विद्यासागर मिश्र ने घटना स्थल का निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। मासूम की जान लेने को पार कीं हैवानियत की हदें गंगापुर कदीम गांव में रविवार सुबह चार साल के बालक का शव मिलने पर घर में कोहराम मच गया। बालक के हत्यारों ने बेरहमी व हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। उसका गला रेतकर बायां हाथ भी काट दिया था। नाले में मिला बालक का शव अधजला था और शरीर का निचला हिस्सा गायब था। हत्या की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हर कोई यही कह रहा था कि जालिमों को जरा भी रहम नहीं आया। आखिर मासूम ने उनका क्या बिगाड़ा था। मासूम का शव घर से महज तीन सौ मीटर की दूरी पर नाले में मिलने पर हर कोई हैरान है। अपराध के जानकारों का कहना था कि मासूम को अगवा कर आसपास के तीन सौ मीटर के भीतर के दायरे में ही किसी घर में बंद कर लिया गया होगा। ...हाय मुझे मार देता, मेरा चिराग क्यों बुझा दिया गंगापुर कदीम की स्तब्ध कर देने वाली इस घटना ने पूरे गांव का दिल दहला दिया है।

पूरी पारदर्शिता के साथ हो बजट घोषणाओं की त्वरित क्रियान्विति: भजनलाल

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं को आगामी बजट से पूर्व धरातल पर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए हैं। श्री शर्मा रविवार रात मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2024-25 की चिह्नित बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी जवाबदेही के साथ विकास कार्यों को पारदर्शिता से पूरा करते हुए प्रदेश को विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाएं। बैठक में मुख्यमंत्री ने 32 विभागों की विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बिजली-पानी उपलब्ध कराने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में ब्राह्मणी नदी बांध परियोजना से दक्षिणी से पश्चिमी राजस्थान तक के क्षेत्रों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने जल संसाधन विभाग को योजना पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने आगामी गर्मी के मौसम में पेयजल सुविधा के बेहतर प्रबंधन के लिए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को समर कंटीजेंसी प्लान पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में हैंडपम्प एवं ट्यूबवैल पानी की व्यवस्था का माध्यम है वहां आंकलन कर अतिरिक्त ट्यूबवैल और हैंडपम्प लगाए जाएं। उन्होंने भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यक्रम को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश भी दिए। श्री शर्मा ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को औद्योगिक क्षेत्रों का सघन सर्वेक्षण कराते हुए उन क्षेत्रों के मालिकों को नोटिस देने के निर्देश दिए हैं।

, जिन्होंने निर्धारित समयावधि में कार्य प्रारम्भ नहीं किया है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों की पुनः नीलामी के लिए भी निर्देशित किया।

दिल्ली में ठंड का कहर

● एनसीआर में सुबह-सुबह बूंदाबांदी, दो दिन ऐसा रहेगा मौसम... आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में दिल्ली समेत एनसीआर में अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। आज बारिश हुई तो प्रदूषण से राहत मिल सकती है। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में सोमवार सुबह-सुबह कई इलाकों में बूंदाबांदी होने से मौसम में हल्का बदलाव आया है। हल्की बूंदाबांदी से ठंड बढ़ सकती है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले दो दिनों का अलर्ट जारी किया है। आज हल्की बारिश के आसार, बढ़ेगी ठंड पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाओं ने मैदानी इलाकों में असर दिखाना शुरू कर दिया है। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है जिससे राजधानी में सोमवार सुबह हल्की बारिश हो सकती है। इससे न्यूनतम व अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। न्यूनतम तापमान 7.3 दर्ज, दो दिन घने कोहरे का येलो अलर्ट वहीं, मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। अधिकतम तापमान 22 डिग्री व न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। रविवार को न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह साढ़े सात बजे तक सफदरजंग एयरपोर्ट पर दृश्यता 400 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम में 600 मीटर दृश्यता रही। पूसा में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं दिल्ली में हवा की दिशा बदलने व गति कम होने से एक बार फिर आबोहवा दम घोंटू हो गई है।

रविवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 409 दर्ज किया गया। यह गंभीर श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि बुधवार से प्रदूषण में सुधार होने का अनुमान है।

ऐसे में हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंचने की उम्मीद है। क्रिसमस से पहले उत्तर भारत में शीतलहर क्रिसमस से पहले उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में जमाने वाली ठंड तो मैदानों में शीतलहर जोर पकड़ रही है।

सम्पादकीय

हाउस अरेस्टिंग डिजिटल क्रांति का काला और स्याह पहलू

डिजिटल क्रांति का स्वरूप मानवीय जीवन में एक नया और क्रांतिकारी परिवर्तन लेकर आया है। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम ने आमजन की जीवन शैली ही बदल कर रख दी है। इस क्रांति ने देश और विदेश की दूरियों को एकदम कम कर दिया इसके अनेक लाभ तो है ही साथ ही जीवन में अनेक परेशानियां तथा दहशत को जन्म दिया है । इंटरनेट की सेवाओं से उपजा हाउस अरेस्टिंग का मायाजाल कभी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट कभी कस्टम ऑफिसर और कभी पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को डरा धमका कर हाउस अरेस्ट कर आमजन के संचित कोष को लूटने में लगा है इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति का समय दशरथ और डर गुजरता है मामला गंभीर है और चिंतनीय भी। इसका निदान तत्काल प्रभाव से किया जाना आवश्यक होगा अन्यथा हाउस अरेस्टिंग एक बड़े सामाजिक अभिशाप के रूप में सामने आने लगा है। 21वीं सदी इंटरनेट और वेब मीडिया युग की शताब्दी मानी जा रही है इसलिए सूचना के आदान–प्रदान जनमत तैयार करने विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृति को आपस में जोड़ने तथा भागीदार बनाने में सोशल नेटवर्किंग एक बेजोड़ उपकरण की तरह उभरी है। सोशल नेटवर्किंग साइट आज स्टेटस सिंबल भी बन गई है। इसमें जितनी अच्छाइयां हैं दूसरी तरफ उतनी ही बड़ी परेशानी का सबब भी है। आज इस युग में सोशल मीडिया ने विश्व के लोगों को जोड़कर एक ऐसे नए नागरिक का जन्म किया है, जो स्वयं तो जागरूक है दूसरों को भी जागरूक कर रहा है पर इससे बच्चे ही आने आने वाली पीढ़ी के नागरिक मानसिक द्वंद और वयस्क दुनिया में अचानक प्रवेश कर जाते हैं। इसके अलावा मानसिक रोगों को जन्म देने वाली भी यह एक बड़ी मशीन है। आज गांव से लेकर शहर तक हर आदमी सोशल मीडिया के प्रयोग से ग्रसित है और मानसिक संतुलन खोने की स्थिति तक पहुंच चुका है। परिवार के अभिभावकों द्वारा बच्चों से मोबाइल छीन लेने पर बच्चों के आत्महत्या के प्रकरण में बहुत ज्यादा इजाफा हुआ है। वर्तमान में सोशल नेटवर्किंग साइट इंटरनेट का एक अभिन्न हिस्सा है जिसका उपयोग विश्व के अरबों लोगों द्वारा किया जा रहा है। यह एक ऑनलाइन मंच है जो सार्वजनिक प्रोफाइल बनाने तथा वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं के साथ सहभागी होने की अनुमति देता है। फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, लिंकडेंन, इंस्टाग्राम और न जाने कितने ऐसे साइट्स हैं जो दुनिया भर के लोगों को एक दूसरे से अनायास जोड़ देते हैं। इंटरनेट के जरिए विश्व के अनेक देशों की दूरियां पलक झपकते खत्म हो जाती है। वैश्विक नागरिक जन अब इंटरनेट मीडिया नामक एक आभासी देश के नागरिक बन चुके हैं। फेसबुक का आविष्कार 2004 में और ट्विटर का आविष्कार 2006 मे हुआ है। फेसबुक के निर्माता मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक का निर्माण कर दुनिया में तहलका मचा दिया है। फेसबुक का इस्तेमाल विश्व के अरबों लोगों द्वारा किया जाता है। यह दुनिया का सबसे लोकप्रिय साइट है। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम के बड़े उपयोगकर्ता भारत में निवास करते हैं। आंकड़ों की मानें तो भारत में ही 350 मिलियन सोशल नेटवर्किंग के ग्राहक हैं, और 2023 में इनकी संख्या 450 मिलियन होने की संभावना है। एक गणना के अनुसार भारत में लोग सोशल मीडिया पर 24 घंटे गुजारते हैं जबकि भारत से समृद्ध देश जापान के लोग केवल 47 से 50 मिनट तक की सोशल मीडिया पर उपस्थित रहते हैं। सोशल मीडिया नेटवर्किंग कोई भी सकारात्मक रूप से लें इसके बहुत फायदे हैं, इसके फायदे की जद में न सिर्फ बच्चे बल्कि शिक्षक, व्यवसाई, न्यूजपेपर, मीडिया चौनल आदि भी हैं जिसका परिणाम सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क बन गया है।ये पूरे विश्व को जोड़कर रखने में सक्षम है। इसके अलावा यह संचार का अच्छा माध्यम होने के साथ–साथ बहुत तेज गति से सूचनाओं का आदान–प्रदान भी करता है। भौगोलिक तथा सांख्यिकी रूप से विशाल देश भारत में जन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए इसको अभियान की तरफ अपनाया गया है। इसके अलावा यह रोजगार प्रदान करने वाला माध्यम भी बन गया है। यह शिक्षा तथा ज्ञान का एक विशिष्ट माध्यम बन गया है। एक झटके में एक क्लिक से विश्व की कोई भी जानकारी इसमें तत्काल उपलब्ध हो जाती है। सोशल नेटवर्किंग का सबसे ज्यादा फायदा कोविड–19 के संक्रमण काल में करुणा की महामारी को रोकने के लिए इस संबंध ा में बचाव कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए हुआ है। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, कनाडा, इजराइल,ऑस्ट्रेलिया जैसे सक्षम देश में महामारी से लाखों लोगों की मौत हुई किंतु सोशल नेटवर्किंग के बलबूते पर भारत शासन ने कोविड–19 की महामारी में विशाल जनसंख्या के होते हुए भी प्रभावी नियंत्रण पा लिया है। सोशल नेटवर्किंग की इस सदी की सबसे बड़ी मानवीय सहायता है। भारत देश के अच्छे कार्यों तथा चीन और पाकिस्तान के गलत तरीके से भारत की सीमा में घुसने के समाचारों को सोशल नेटवर्किंग से प्रचारित प्रसारित कर भारत को वैश्विक समर्थन आप करने में सोशल मीडिया का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। भारत के प्रधानमंत्री वैश्विक स्तर पर दूसरे नंबर के सर्वाधिक लोकप्रिय व्यक्ति भी सोशल मीडिया के कारण ही बने हैं। पर यदि सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू पर अपन चर्चा ना करें तो यह बात अधूरी रह जाएगी, सोशल मीडिया का ज्यादा प्रयोग मानव मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जिससे व्यक्ति के डिप्रेशन में जाने की संभावना हो सकती है। सोशल मीडिया साइबर क्राइम को बढ़ावा देता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है यहां हर संप्रदाय तथा धर्म के लोग निवास करते हैं ऐसे में सोशल मीडिया फर्जी न्यूज तथा भड़काऊ भाषण फैलाने में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे देश में स्थिरता एवं सांप्रदायिक दंगे फैलने की संभावना बलवती होती है। इसके अलावा साइबर अपराध का भी एक बड़ा माध्यम बन गया है। सोशल मीडिया का अधिक उपयोग मनुष्य के शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है एवं मनुष्य की स्मरण शक्ति सोचने की शक्ति विश्वास की प्रवृत्ति धीरे–धीरे कमजोर होने लगती है, और इसके अनियंत्रित प्रयोगों से व्यक्ति कि व्यक्ति से दूरी बढ़ते जा रही है। साइबर स्कैम या अपराध सोशल मीडिया की सबसे बड़ी नकारात्मक बात है। फेसबुक तथा ट्विटर सबसे ज्यादा धार्मिक भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान का निषेध करने वालों कानूनों का उल्लंघन करता है। सोशल नेटवर्किंग आज की स्थिति में सामाजिक सौहार्द के सामने सोशल मीडिया एक चुनौती बनकर खड़ा है। जो अनेक भ्रांतियां तथा भ्रम फैलाने का काम करता है। इस तरह सोशल मीडिया नेटवर्क ज्ञान, धन अर्जन एवं अच्छे कामों के लिए संचार का सुलभ माध्यम है पर इसके दुरुपयोग से इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े हुए हैं। सोशल नेटवर्किंग अब जीवन का एक आवश्यक हिस्सा बन चुका है अतः आवश्यक है कि निजता के अधिकार का उल्लंघन किए बिना सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए हम सबको नए विकल्पों की खोज करनी चाहिए, जिससे इसकी अच्छाइयों को आत्मसात करते हुए भविष्य में इसके संभावित दुरुपयोग नुकसान तथा दुष्प्रभावों से बचने का उपाय हमें खोजना होगा।

कभी 61 साल की महिला पायलट को विमान उड़ाने से नफरत हुई, लेकिन जिंदगी तो चलती रहती है...

❍ पिछले कुछ समय से हवाई यात्रा के दौरान टर्बुलेंस की बढ़ती घटनाओं के प्रत्यक्षदर्शी उन अनुभवों को भले न भूल सकें, लेकिन जिंदगी तो अपनी रफ्तार में चलती ही रहती है।

कार्ली लुइस

कभी आपने सोचा है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हों और अचानक विमान में कुछ ऐसी तकनीकी खराबी आ जाए कि एक पल को लगे कि मौत सिर पर खड़ी है। कुछ समय पहले नेपाल एयरलाइंस के एक विमान का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चित रहा था, जिसमें विमान में बैठे युवा अपने मोबाइल परघ्वीडियो बना रहे थे कि तभी विमान में आग लग जाती है और कुछ ही सेकंडों के भीतर पूरा विमान आग का गोला बन जाता है और वह मोबाइल छिटककर दूर जमीन पर गिर जाता है। पूरा वीडियो देखकर ही सिहरन–सी होती है। लेकिन कुछ कहानियां ऐसे लोगों की भी होती हैं, जो विमान में खराबी के बावजूद बच जाते हैं, फिर अपने उस अनुभव को ताउम्र भूल नहीं पाते हैं। कई बार ऐसे बचे हुए व्यक्तियों की जिंदगी ही बदल जाती है और कुछ व्यक्ति खुद को अनेक मानसिक परेशानियों में घिरा पाते हैं। शैंडी ब्रूअर अपनी दादी के जन्मदिन के जश्न के लिए पोर्टलैंडघ्से ओंटारियो के लिए अलास्का एयरलाइंस के विमान में सवार हुईं। उड़ान के कुछ ही समय बाद यात्रियों ने जोरदार धमाका सुना।

ब्रूअर यह नहीं देख पाईं कि उनके पीछे 15वीं पंक्ति में विमान का एक दरवाजा उड़ गया था, जिससे यात्री 16,000 फुट की ऊंचाई पर खुली हवा में आ गए। विमानघ्से ऑक्सीजन मास्क गिर गए और यात्री प्रार्थना करने लगे। जैसे ही विमान ने ओरेगन में आपातकालीन लैंडिंग की, ब्रूअर ने अपने पिता को गले लगा लिया। ब्रूअर एक चिकित्सक से इलाज करवा रही हैं, लेकिन उन्हें अब भी कभी–कभी एक दुस्वप्न आता है कि वह बिना दरवाजे के हेलिकॉप्टर में हैं, वहघ्खुद को आसमान में उड़ने से बचाने के लिए सीट को पकड़ रही हैं। माउंट सिनाई में इकान स्कूल ऑफ मेडिसिन में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और सहायक प्रोफेसर रेबेका बीघ्स्कोल्निक ने कहा, 'यह सिर्फ उनके साथ हुई कोई घटना नहीं, बल्कि दुनिया और खास तौर पर हवाई यात्रा के बारे में उनके सोचने के तरीके को आकार देती है।' जलवायु परिवर्तन शोध से पता चलता है कि वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड का स्तर बढ़ने के कारण टर्बुलेंस की स्थिति और भी बदतर हो जाएगी। 61 वर्षीय मार्ना गैटलिन एक पायलट रही हैं। लेकिन दो दुर्घटनाओं के बाद उन्हें विमान उड़ाने से नफरत हो गई थी। वह कहती हैं, 'काश कह पाती कि मैं काफी बेहतर हो गई हूं, लेकिन ऐसा नहीं है।' हालांकि वह यह भी कहती हैं कि विमान दुर्घटनाओं में उतना ही जोखिम होता है, जितना ट्रेन या बस की यात्रा में। लेकिन जिंदगी तो चलती ही रहती है।

भारत और कानून : इंदिरा गांधी ने शपथ लेते हुए आपातकाल पर माफी मांगी थी

जीत हमेशा संविधान की... संशोधन से मजबूती

❍ संविधान की 75 साल की यात्रा पर संसद के दोनों सदनों में हुई बहस बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आरोप–प्रत्यारोप से घिरी हुई थी। फिर भी मुझे विश्वास है कि अंततरू जीत संविधान के मजबूत ढांचे और इसकी प्रगतिशील भावना की ही होगी।

पी चिदंबरम

26 नवंबर, 2024 को हम भारतीय संविधान की स्वीकृति के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे थे। संसद के दोनों सदनों में परंपरा से हटकर संविधान की इस 75 वर्षों की यात्रा को याद करते हुए दो दिनों तक चर्चा हुई। नेताओं के अच्छे–बुरे भाषणों के बीच एक भी भाषण ऐसा नहीं था, जिसे 75 सालों के बाद भी 14–15 अगस्त, 1947 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिया गए भाषण श्ए ट्रिस्ट विद डेस्टिनीश या बाबा साहब आंबेडकर द्वारा 25 नवंबर, 1949 को संविध ाान सभा में दिए गए श्लोगों द्वारा सरकारश वाले भाषण की तरह याद किया जाए। 75 साल पहले संविधान सभा के विचार–विमर्श में कांग्रेस पार्टी एक प्रेरक शक्ति थी। तब डॉ. आंबेडकर ने संविध ाान सभा में श्व्यवस्था और अनुशासन का अहसासश लाने के लिए कांग्रेस की सराहना की थी। आज कांग्रेस लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में विपक्ष में बैठी है। यह एक दुखद बदलाव है, पर अपरिवर्तनीय नहीं है।

आपातकाल वाली मानसिकता

भाजपा और दक्षिणपंथी तत्वों के मन में कांग्रेस की वह छवि है, जो 1975–77 में लगे आपातकाल और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के निलंबन से जुड़ी है। सही मायने में यह कांग्रेस के 139 साल के इतिहास में एक काला धब्बा था, लेकिन इंदिरा गांधी ने यह शपथ लेते हुए माफी मांगी थी कि आपातकाल कभी दोहराया नहीं जाएगा। जनता ने उनकी माफी को स्वीकार किया और 1980 में कांग्रेस को प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापस भेजा।

क्या संविधान के निर्माण और संविधान को मजबूत करने में कांग्रेस का कोई अन्य योगदान नहीं है? हां है, लेकिन वे बातें शायद ही कभी जनता के सामने लाई जाती हैं। संविधान का श्अनुच्छेद 368श संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है, जो किसी भी देश के संविधान के लिए एक जरूरी तत्व है। एक देश समय–समय पर बदलावों का सामना करता है और न्यायाधीशों द्वारा निरंतर संविधान पर व्याख्यान दिया जाता है। संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जिसे राष्ट्र के बदलते जीवन के अनुसार ढाला जाना चाहिए।

संविधान संशोधन से आती है मजबूती

अगर मैं उस बहस में बोलता तो मैं कांग्रेस द्वारा संविधान को मजबूत करने के लिए किए गए कुछ संशोधनों की याद दिलाता। कांग्रेस ने संविधान की उद्देशिका में निर्धारित उच्च लक्ष्य, विशेष रूप से न्याय (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक) और समानता (स्थिति और अवसर की समानता) को आगे बढ़ाया है। संविधान का पहला संशोधन एक्ट 1951 एक विधायी कदम था। इसने सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े या अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की सांविधानिक सुरक्षा प्रदान की। अगर यह पहला संशोधन नहीं होता तो आरक्षण की पूरी प्रणाली स्थापित नहीं हो पाती।

पहले संविधान संशोधन ने अनुच्छेद 31 ए और 31 बी को जोड़ा और जमींदारी व्यवस्था के उन्मूलन के मार्ग को प्रशस्त किया, जिसने लाखों किसानों और खेतिहर मजदूरों को मुक्त किया। इसके साथ ही भूमि सुधारों और भूमि वितरण की सुविधा भी प्रदान की।

पहले संशोधन ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए नागरिकों के पूर्ण या आंशिक बहिष्कार के साथ किसी भी व्यापार, उद्योग, व्यवसाय या सेवा को चलाने के लिए कानूनी नींव रखी।

संविधान के (42वें संशोधन) अधि ानियम 1976 को संविधान में किए गए कई परिवर्तनों के लिए संशोधित किया गया। हालांकि इस बात को कम ही लोग याद करते हैं कि इसमें जो दो बदलाव किए गए थे, उन्हें भावी पीढ़ी याद रखेगी। पहला समान न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य को श्मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करनेश के लिए कानूनी रूप से बाध्य करने के लिए अनुच्छेद 39ए को शामिल करना था। दूसरा अनुच्छेद 48ए को शामिल करना था, जिससे राज्य के लिए श्पर्यावरणश की रक्षा और सुधार करना और जंगलों तथा वन्य जीवन की रक्षा करना अनिवार्य हो गया।

संविधान के (52वें संशोधन) अधि ानियम, 1985 ने दसवें अनुच्छेद को पेश किया था, जो सदन में बैठने वाले विधायकों की अराजकता की समस्या से निपटने की पहली कोशिश थी। अफसोस की बात है कि इसने चुने हुए विधायकों की चतुराई, सभापतियों की मिलीभगत और अदालतों के उलझे हुए फैसलों का अनुमान नहीं लगाया था। दसवें अनुच्छेद का उद्देश्य तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक इसे फिर से संशोधित नहीं किया जाता।

संविधान में सबसे दूरगामी संशोध ान (73वां संशोधन) अधिनियम, 1992 और (74वां संशोधन) अधिनियम, 1992 थे, जिन्होंने पंचायतों और नगरपालिकाओं के लिए अलग–अलग प्रावधान किए और लोकतंत्र को अधिक गहरा एवं मजबूत किया। अनुसूचित जातियों और जनजातियों की लाखों महिलाओं एवं सदस्यों को राजनीति की मुख्य ध ाारा में लाया गया और उन्हें लोकतांत्रिक शक्ति का उपयोग करने के लिए सशक्त किया गया। इतने बड़े पैमाने पर शक्ति का वितरण और विकेंद्रीकरण का कोई ऐतिहासिक उदाहरण इससे पहले कहीं देखने को नहीं मिलता है।

दोनों सदनों में हुई बहस दुर्भाग्यपूर्ण और आरोप–प्रत्यारोप से युक्त थी। यह सिर्फ संविधान की 75 साल की यात्रा पर केंद्रित थी।

गिरता रूपया और फाईव ट्रिलियन अर्थव्यवस्था

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की विनिमय दर 85 के आंकड़े को पार कर गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो 1 डॉलर खरीदने के लिए 85 रुपये चुकाने होंगे। अप्रैल में, यह "विनिमय दर" 83 के आसपास थी। एक दशक पहले, जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाला था, यह 61 के आसपास थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई भाषणों में 5 ट्रिलियन इकॉनमी की खूब चर्चा हो रही है। वे पूरे आत्म विश्वास के साथ कहते है किं भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना बिल्कुल संभव है। लेकिन जिस तरह से डालर के मुकाबले लगातार रूपये गिर रहा है। उसे देखकर 5 ट्रिलियन डॉलर (350 लाख करोड़ रुपये) इकॉनमी देश की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य दूर दिख रहा है। भारत की अर्थव्यवस्थ अभी लगभग 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। रुपये में ऐतिहासिक गिरावट 19 दिसम्बर 24 दर्ज की गई। भारतीय मुद्रा लुढ़ककर 85 रुपये प्रति डॉलर के नीचे बंद हुई। यह रुपये का अब तक का सबसे निचला स्तर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में 19 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 85.13 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर पहुंचा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2025 के अनुमानों में बदलाव के चलते उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ा। डालर का 85 के पार जाने से चिंता बढ़ गई है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौती है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले का असर दुनिया भर के बाजारों पर दिख रहा है। जब जब रुपया कमजोर होता है तो विदेशी निवेशक पर इसका असर नजर आ सकता है। भारत में निवेश करने से ये हिचकिचा सकते हैं। इसके पीछे की वजह यह है कि उन्हें लगता है कि भविष्य में रुपये का मूल्य और कम हो सकता है, जिसकी वजह से उन्हें नुकसान हो सकता है। इधर रूपये के कमजोर होते ही रुपये को मजबूत करने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक कुछ कदम उठा सकते हैं। वे ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं। इससे लोगों को लोन लेना महंगा पड़ेगा. कारोबार पर भी इसका असर पड़ता नजर आ सकता है।जानकारों के अनुसार डालर के मुकाबले रूपये में गिरावट अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपनी नीतियों में बदलाव की वजह से ऐसा हुआ है। कोरोना के बाद दुनिया के तमाम देश मंदी की चपेट में आ गए थे। उससे उबरने के लिए सभी ने अपने–अपने तरीके से उपाय किए। अमेरिकी फेडरल ने अपनी ब्याज दरों में कटौती कर उसे साढ़े चार फीसद पर ला दिया है। इस तरह डालर की स्थिति मजबूत हुई है। यह भी कहा जा रहा है कि जब से राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की विजय हुई है, निवेशकों को लगने लगा है कि वहां निवेश करना सबसे फायदेमंद है। इसलिए बहुत सारे निवेशकों ने भारत से पैसे निकाल कर अमेरिका का रुख कर लिया। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में भी छीजन दर्ज शुरू हो गई। पिछले कुछ समय तक डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट लगभग रुकी हुई थी, तब विशेषज्ञों ने कहना शुरू कर दिया कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार से डालर की निकासी करके रुपए की कीमत को रोक रखा है। मगर अब वह तरीका भी शायद काम नहीं आ रहा।अब डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट का असर व्यापार, पर्यटन, शिक्षा आदि पर पड़ेगा। भारत अपनी जरूरत का अधिकतर ईंधन तेल दूसरे देशों से खरीदता है। ऐसे में जब भी कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तो सरकार का खर्च बढ़ जाता है। इसके अलावा, दवाइयों के लिए कच्चा माल, खाद्य तेल, इलेक्ट्रानिक साजो–सामान आदि के लिए भी हम दूसरे देशों पर निर्भर है। विदेश पढ़ने गए विद्यार्थियों और पर्यटकों की जेब पर बोझ बढ़ जाता है। इसलिए रुपए की कीमत का गिरना चिंताजनक होता है। सरकार द्वारा लगातार व्यापार घाटा पाटने के लिए कई विदेशी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने और देसी वस्तुओं को प्रश्रय देने की कोशिश की गई, इसका कुछ असर भी हुआ। मगर फिर भी व्यापार घाटा कम नहीं हो पा रहा। खासकर चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। यही नही महंगाई पर काबू पाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने लगातार रेपो दर को ऊंचा बनाए रखा है, मगर स्थिति यह है कि बाजार में पूंजी का अपेक्षित प्रवाह नहीं बन पा रहा। इसकी बड़ी वजह लोगों की आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। पिछले कुछ समय से हमारी विकास दर और उसमे विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे में डालर की आवक कम हुई है। इस स्थिति में रुपए की कीमत घटनी शुरू हो जाती है। भारत में यह सिलसिला लगातार बना हुआ है। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। सरकार अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डालर तक ले जाने को संकल्पित है, मगर रुपए की गिरावट का रुख देखते हुए इसका भरोसा नहीं बन पाता। कुल मिलाकर यह कि अब सरकार को प्रति व्यक्ति कम आय बढ़ोत्तरी, कृषि क्षेत्र पर उदारता और बेरोजगारी की विस्फोटक स्थिति पर काबू करना होगा।

वरिष्ठ साहित्यकार उमा सहाय और अजामिल व्यास को मिला साहित्य वारिधि सम्मान

साहित्यकारों द्वारा साहित्यकारों के लिए साहित्यकार सत्कार आपके द्वार प्रकल्प शुरू

प्रयागराज। साहित्यांजलि प्रकाशन के इस सम्मान समारोह में शामिल होकर बहुत गर्व का अनुभव कर रहा हूं आप सभी आत्मीय जनों से सम्मानित होकर यह लग रहा है कि मुझे अपने परिवार का आशीर्वाद मिला है द्य बड़े बुजुर्ग साहित्यकारों के पास जाकर उन्हें सम्मानित करने की यह आपकी है द्य ईश्वर आपको शक्ति दे कि आप अपने इस कार्य को भविष्य में भी संपादित कर सकें, मैं आपके साथ हूं द्य मैं जो कुछ भी यथोचित आपके लिए कर सकता हूं उसके लिए आप बेहिचक मुझे आदेश कीजिएगा इस सम्मान में आपने मुझे जो भी औपचारिक उपहार दिए हैं वह सब मेरी निधि है और उन्हें

➤ साहित्यकारों के पास जाकर उन्हें सम्मानित करने की यह परिकल्पना उच्च कोटि की रू अजामिल

कल्पना ही उच्च कोटि की है और शायद यही सच्चा सम्मान भी है द्य हम जानते हैं कि आपका जुनून आपके संकल्पना को शक्ति देता है और पूरा साहित्यिक समाज आपके इस निश्चल कार्य में आपके साथ खड़ा है द्य अब साहित्यिक सम्मानों में जिस तरह की राजनीति का समावेश हो गया है उसे देखते हुए आप सभी लोगों से यह सम्मान प्राप्त करके मुझे बहुत खुशी हो रही संभाल कर पूरे सम्मान के साथ अपने पास रखना मेरा धर्म है आपकी इस आत्मीयता के लिए आभार शब्द बहुत छोटा है मेरा कर्तव्य है कि मैं इसे अपनी स्मृति में हमेशा सहेज कर रखूं और वह मैं करूंगा द्य आपकी पूरी टीम के लिए मैं ध न्यवाद देता हूं।उपरोक्त उद्गार जाने माने वरिष्ठ रंगकर्मी पत्रकार व वरिष्ठ साहित्यकार अजामिल जी ने उस समय व्यक्त किये जब वह प्रयागराज महानगर के साहित्यकारों और प्रकाशकों द्वारा संयुक्त रूप से आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी की जयंती पर शुरू किए गए अनूठे प्रकल्प साहित्यकार सत्कार रूआपके द्वार में बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकारों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब यह प्रयास अनवरत जारी रहेगा।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में वरिष्ठसाहित्यकार जया मोहन ने कहा कि यह संकल्प साहित्य के प्रति अत्यंत निष्ठावान लोगों की ओर से लिया गया है जो अवश्य ही पूर्ण होगा।

डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय व्यवस्थापक साहित्यांजलि प्रकाशन ने कहा कि आज श्रीमती उमा सहाय और श्री अजामिल जी को साहित्य वारिधि सम्मान देकर वह स्वयं को बहुत भाग्यशाली मानते हैं।विशिष्ट अतिथि डॉ राम लखन चौरसिया वागीश ने अपनी साहित्य यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रयागराज में शुरू की गई यह योजना हिन्दी साहित्य जगत में मील का पत्थर साबित होगी और भविष्य में यादगार बनी रहेगी द्य कानपुर से पधारे पत्रकार साहित्यकार डा० सुभाष चन्द्रा ने कहा कि यह आयोजन साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के लिए एक सुखद भविष्य की नींव रखने में सफल हुआ है द्य केशव प्रकाश सक्सेना ने कहा कि यह हम सभी के लिए एक सुनहरा अवसर है द्य विश्व ज्योति सहाय ने सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया द्य समारोह का सफल संचालन रंजन पाण्डेय जी ने किया जिसमें मधुकर मिश्र रीता मिश्र एवं सहाय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सीएम डैषबोर्ड पोर्टल के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा की

सीएम डै।बोर्ड पर योजनाओं की रैकिंग ठीक रखें, अन्यथा होगी कारवाई–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर कार्यो/योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा की। सीएम डैशबोर्ड बोर्ड की बैठक में विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, पर्यटन विभाग, प्रोबेशन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, पशुपाल विभाग, मत्स्य विभाग, समाज कल्याण, सेतु निगम, राजस्व विभाग में वाणिज्य कर व स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन की रैकिंग ठीक न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर जिन विभागों की योजनाओं में रैकिंग ठीक नही है वह रैकिंग ठीक कर लें अन्यथा की स्थिति में आगामी माह में विभागों की रैकिंग ठीक नही पायी जायेगी तो उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। सेतुओं के निर्माण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने सेतु निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि दिसम्बर माह तक जिन सेतुओं के निर्माण की समयावधि निर्धारित है उसे पूर्ण कर लिया जाये अन्यथा की स्थिति में दिसम्बर माह के वेतन पर रोक लगा दिया जायेगा। उन्होने अधिकारियों से कहा कि निरन्तर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहे और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निध ारित समयावधि में निस्तारित करें, सभी सम्बन्धित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गम्भीरता से लें, सीएम डैशबोर्ड पर योजनाओं की रैकिंग ठीक रखें, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध

कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा के दौरान पाया गया कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतकर्ताओं के शिकायतों का फीडबैक असन्तोषजनक है जिस पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं से बात करके उनकी समस्या का समाधान किया जाये और जिन विभागों की शिकायतें लम्बित है उसका निस्तारण एक सप्ताह में करके रिपोर्ट उपलब्ध करायी जाये। खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन योजनाओं के आवेदन ब्लाक स्तर पर लम्बित है उनका निस्तारण एक सप्ताह में किया जाये, नही तो सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों के वेतन पर रोक लगा दी जायेगी।''फैमिली आईडी–एक परिवार–एक पहचान'' की समीक्षा के दौरान पाया गया कि विकास खण्ड बिहार, लालगंज, कुण्डा, कालाकांकर व पट्टी की प्रगति ठीक नही है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि फैमिली आईडी की प्रगति में सुधार लायें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

अविचल जी महाराज ने श्री राम जानकी हनुमत धाम में बच्चों को दी संस्कारयुक्त शिक्षा

हरदोई(आरएनएस)। मंगलवार को श्रीधाम वृंदावन से पधारे प्रख्यात कथा व्यास अविचल जी महाराज ने हरदोई के मंगली पुरवा फाटक स्थित श्री राम जानकी हनुमत धाम में श्री राघव सरकार तथा श्री बांके बिहारी सरकार के दिव्य दर्शन किए। इस अवसर पर विद्यालय परिवार और भक्तों ने उनका भव्य स्वागत किया।धाम में दर्शन के पश्चात, महाराज जी ने श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें श्री रामचरितमानस के आदर्शों पर आध ारित संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान की। उन्होंने बच्चों को नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया और मोबाइल फोन की बढ़ती लत पर चिंता व्यक्त की। महाराज जी ने कहा कि बच्चों को मोबाइल से दूरी बनानी चाहिए और इसे अनावश्यक समय व्यर्थ करने का माध यम नहीं बनने देना चाहिए।

अविचल जी महाराज ने विद्यार्थियों को माथे पर रोली और तिलक लगाने की महत्ता समझाई और माता–पिता की सेवा व आज्ञा पालन करने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने गुरुजनों के निर्देशों को शिरोधार्य करने की बात पर बल दिया। उन्होंने कहा, ष्जो अपनी संस्कृति और संस्कारों का पालन करता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है।अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने कहा, ष्कुछ लोग दूसरों के पदचिह्नों पर चलते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो स्वयं पदचिह्न बनाते हैं।ष उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे स्वयं की पहचान स्थापित करें और अपने माता–पिता, गुरुजनों और देश का नाम रोशन करें। महाराज जी ने कहा कि मैं राघव सरकार से प्रार्थना करता हूं की सभी बच्चों का भविष्य बहुत ही उज्जवल हो।

इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षक शिक्षिकाओं ने महाराज जी की प्रेरणाओं को हृदय से ग्रहण किया। बच्चों ने उनके विचारों से प्रेरित होकर जीवन में अनुशासन और संस्कार अपनाने का संकल्प लिया। महाराज जी का स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से संस्थापक अखिलेश सिंह, मुकुल सिंह आशा, प्रबंध ाक मुकेश सिंह, आचार्य विपिन पांडे, भरत पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिव प्रकाश त्रिवेदी, नवल किशोर द्विवेदी, विद्यालय की प्रध ानाचार्या लक्ष्मी देवी , आरती वर्मा, कविता गुप्ता, अर्पिता सिंह, मंशा बाजपेई,विनीता त्रिवेदी, प्रज्ञा तिवारी , पूजा सिंह चौहान, अंशिका वर्मा, राम प्रकाश पांडे, उदय शुक्ला, संजय गुप्ता, अभिनव सिंह, अमन शुक्ला , कोमल यादव ,ऐश्वर्या सिंह,अनामिका ,सोनी तिवारी सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल रहे ।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

चित्रकूट(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त कार्य योजना के अनुक्रम में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाध ीश विकास कुमार प्रथम के निर्देशन में रविवार को सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय शिवरामपुर में राष्ट्रीय विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में डॉ अकांक्षा पाण्डेय ने सर्वाइकल कैंसर से बचाव के तरीको की जानकारी दी। कहा कि जो महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहती है, वह नियमित अंतराल पर सर्वाइकल कैंसर की जांच कराती रहें। बताया कि सर्वाइकल कैंसर का एक प्रमुख कारण एचपीवी (मानव पैपिलोमा वायरस) है। एचपीवी वैक्सीन लगवाने से एचपीवी संक्रमण से बचा जा सकता है। यह टीका 9 से 12 साल की उम्र में लगवाने पर सबसे ज्यादा असरदार होता है। बताया कि हाल के वर्षों में एचपीवी गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के अनुमानित 90 प्रतिशत मामलों कर कारण बनता है, जो 25 वर्ष और उसमे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए अनुशंसित है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज नीलू मैनवाल ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस को मनाने का मकसद इसके प्रति महिलाओं के बीच जागरुकता बढ़ाना है। साथ ही रोकथाम के उपायों को अपनाना और उपचार की सुविधाओं को बेहतर करना है। इस दिन को मनाने का महत्व उन स्वास्थ्य कर्मियों का

सम्मान करना है, जो इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक प्रयास करते हैं।

जागरूकता शिविर में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बीके शर्मा, विद्यालय की अधीक्षिका कविता मिश्रा पीएलवी मुन्नालाल विश्वकर्मा, रामसागर सहित विद्यालय कर्मचारीगण व छात्राएं मौजूद रहीं।

जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी गई आहुति

सोनभद्र(आरएनएस)। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहे नौ दिवसीय विराट रुद्र महायज्ञ में मंगलवार को तीसरे दिन जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ स्थल गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले भंडारे में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजकध्संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि विराट रुद्र महायज्ञ के तीसरे दिन मंगलवार को जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई, ताकि वातावरण शुद्ध रहे। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा स्थल गुंजायमान हो गया।यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी, आचार्य योगेश तिवारी व रेवती रमण तिवारी के जरिए यजमान डॉक्टर प्रशांत, गुलाबी देवी रहे।

संक्षेप

नौगिरा में बच्चों की संचारी रोगों से बचाव की दी जानकारी

सिराथू, कौशाम्बी। विकास खंड सिराथू के उच्च प्राथमिक विद्यालय नौगीरा में शनिवार को बच्चों की संचारी रोगों से जुड़ी जानकारी और उनसे बचाव के तरीके बताए गए । इसके साथ ही बच्चों ने संचारी रोग से जुड़े पोस्टर भी बनाए। शिक्षक विकास ने बच्चों को बताया इस समय डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टाईफाइड और पीलिया जैसे संचारी रोग फैल रहे है। इन रोगों के लक्षणों को नजरंदाज करना घातक हो सकता है। मच्छरों से बचाव करें, आसपास परिसर साफ सुथरा रखे। किसी भी प्रकार का लक्षण दिखने पर अविलंब जांच करवाएं। संचारी रोगों से बचाव ही इसका आसान उपाय है। साथ ही बेहतर पोस्टर बनाने वाले बच्चों की प्रोत्साहित किया गया।

गलत दिशा से आ रही ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जख्मी

सैनी, कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के कसिया के पास गलत दिशा से आ रही ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जख्मी हो गया, आसपास मौजूद लोगो ने जख्मी बाईक सवार को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।प्रयागराज जनपद के कौड़िहार थाना क्षेत्र के रवींद्र नाथ पांडे पुत्र राममोहन शनिवार को बाइक से कड़ा धाम स्थित मां शीतला के दर्शन करने आए थे। रविंद्र नाथ दोपहर 12 बजे दर्शन कर वापस लौट रहा था जैसे ही वह कोखराज थाना क्षेत्र के कसिया के पास गलत दिशा से प्रयागराज से कानपुर की ओर जा रही ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। हादसे में बाईक सवार जख्मी हो गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस की मदद से मूरत गंज के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी मिलने पर स्वजन में अस्पताल पहुंच आए। वही टक्कर मारते ही ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से भाग गया।

क्रय केंद्र का लिया जायजा

अजुहा, कौशाम्बी। जनपद में सरकारी धान खरीद का जायजा लेने के लिए शनिवार को नोडल अधिकारी के रूप में पहुंचे अपर आयुक्त खाद्य उप्र राम मूर्ति पांडेय ने अजुहा कस्बे के नवीन मंडी में स्थित विपडन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। नोडल अधिकारी राम मूर्ति पांडेय ने अजुहा में स्थित विपडन केंद्र में बाजरा की खरीद के बारे में जानकारी ली जहां बाजरा की खरीद शून्य बताई गई। इस दौरान नोडल अधिकारी ने केंद्र में धान की खरीदी में तेजी लाने के निर्देश देते हुए,खरीदे गए धान की मशीन द्वारा टेस्ट कराया जिसमें 14: नमी पाए जाने पर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही नोडल अधिकारी ने केंद्र के जिम्मेदारों को क्षेत्र का भ्रमण कर लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। नोडल अधि ाकारी द्वारा धान खरीदी के बारे में जानकारी लेने पर पता चला कि अरेस्टन धान की 75: आवक होती है जबकि अन्य धानों की 25: खरीदी होती है । जिसके बाद नोडल अफसर ने धान खरीद के अभिलेख चेक किए। उन्होंने क्रय केंद्र पर आने वाले किसानों को परेशान न करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला विपडन अधिकारी सुधांशु शेखर चौबे , भीमा चंद्र गौतम , प्रेम प्रकाश गिरी , अजय साहू , राम प्रवेश , राकेश चौरसिया , एमआई प्रदीप पांडेय , संतोष ओझा , चंद्र भूषण राव , मंडी सचिव डी आर सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

बंदर का हुआ उपचार

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सैनी कस्बे में स्थित क्षेत्राधि ाकारी कार्यालय के बगल में शुक्रवार को एक बंदर अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगो ने देखा तो वन विभाग व डायल 112 पुलिस को सूचना देकर इलाज की पहल शुरू किया। पशु विभाग के पैरावेट रोशन लाल ने पहुंच कर अचेत अवस्था में पड़े घायल बंदर को स्थानीय लोगों के सहयोग से पकड़ कर इलाज किया।

शिक्षकों के मनमानी रवैया के चलते समय से पहले कर देते हैं छुट्टी

अहिरोरीध्हरदोईऋ(आरएनएस)केंद्र व राज्य सरकार के मंशानुसार ग्रामीण अचल से लेकर कस्बा शहरी स्तर विद्यालयों को शिक्षा के प्रति सरकार द्वारा बराबर दिया जा रहा है बढ़ावा। शिक्षक समय से विद्यालय पहुंचे समय से पहले बच्चों की छुट्टी ना करें। समय पर ही विद्यालय बंद करें। बच्चों के भविष्य व शिक्षा के प्रति खिलवाड़ न करें। लेकिन जनपद हरदोई के विकास क्षेत्र अहिरोरी के ग्राम पंचायत अल्हालादपुर के प्राथमिक संविलियन विद्यालय में शिक्षकों के मन मानी रवैया के चलते ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। वहां के जिम्मेदार शिक्षक समय से पहले बच्चों की कर देते हैं छुट्टी। बता दे बीते मंगलवार को हकीकत जानने के लिए पत्रकार मौके पर पहुंचे तो हकीकत कुछ और बयां कर रही थी। विद्यालय बंद होने के समय से पहले बच्चे अपने घरों को अपने कंधों पर बैग डालें जा रहे थे। उनसे पूछा गया बच्चों में से वीरू,ज्ञाना, आदित्य,आकाश ने बताया विद्यालय की गाइडलाइन के अनुसार विद्यालय का सुबह खुलने का समय 9रू00 बजे व बंद करने का समय 3रू00 बजे निर्धारित किया गया है। लेकिन छुट्टी समय से पहले हो गई है। विद्यालय परिसर में मौजूद शिक्षक राजवंत सिंह ने बताया डही मेले के वजह से जल्दी छुट्टी कर दी गई है। विद्यालय इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार संकुल मीटिंग में गए हुए हैं। उपरोक्त विषय पर खंड शिक्षा अधिकारी उदयभान यादव ने बताया बीआरसी पर मीटिंग थी। उसकी वजह से छुट्टी जल्दी कर दी गई है। फिलहाल हमारे संज्ञान में बात आई है में इसको देखता हूं।

टक्कर में छात्र की मौत

माधौगंज हरदोई(आरएनएस) बाइक सवार छात्र को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। जिससे कक्षा 9 में पढ़ने वाले एक छात्र की मौत हो गई। उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया सीएचसी प्रभारी माधौगंज ने घायल को लखनऊ रेफर कर दिया है। वहीं एक छात्रा को हरदोई के मेडिकल कालेज रेफर किया गया है।बताया गया स्कूल की बस छूट जाने की वजह से ये सभी छात्र बाइक से स्कूल जा रहे थे तभी रास्ते में हादसा हो गया।माधोगंज थाना क्षेत्र के ग्राम हरिपुरा से बाइक से जा रहे स्कूली बच्चों को कजीपुर गांव में मोड़ के पास ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें 14 वर्षीय अल्तमश पुत्र आरिफ की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मृतक का बड़ा भाई अल्फहद और एक छात्रा सृष्टि गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधवगंज लाया गया।छात्रा को मेडिकल कॉलेज भेजा गया यहां से अल्फहद को लखनऊ रेफर किया गया है। वहीं सृष्टि पुत्री मनोज को मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। परिवारिक जनों के अनुसार स्कूली बस के छूट जाने के कारण अल्तमस अपने भाई और एक अन्य छात्र के साथ स्कूल जा रहा था। काजीपुर गांव के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। माधोगंज थाना अध्यक्ष के के यादव का कहना है कि ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है, चालक भी हिरासत में है। आगे की कार्रवाई प्रचलित है।

क्लासेस का किया गया शुभारंभ

सोनभद्र।(आरएनएस) सएनटीपीसी–विंध्याचल परियोजना के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत परियोजना के आस–पास सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विभिन्न कार्य किए जाते रहते है। एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा ग्राम–जुवाड़ी वार्ड क्र.36 मे तीन महीने की निरूशुल्क अंग्रेजी कोचिंग क्लासेस का शुभारंभ किया गया, जिसमे स्थानीय वार्ड पार्षद प्रेम सागर मिश्रा और कक्षा टप्प् से ग्प्प् तक के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह परिवर्तनकारी पहल युवा छात्रों की अंग्रेजी भाषा दक्षता को बढ़ाने का लक्ष्य रखती है, जिससे उनके उज्जवल भविष्य के मार्ग में मदद मिलेगी। यह पहल छात्रों को वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने और बेहतर रोजगार अवसरों तक पहुँचने के लिए आवश्यक भाषा कौशल से सुसज्जित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। एनटीपीसी विंध्याचल का यह प्रयास न केवल उनके शिक्षा स्तर को सुधारने का है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और समाज के मुख्यधारा में जोड़ने के लिए भी है। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से उद्घाटन में वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर एवं आर एंड आर) महताब आलम एवं कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल एवं उनकी टीम उपस्थित रही। उक्त निःशुल्क कोचिंग क्लासेस की सभी के द्वारा भरपूर प्रशंसा की गयी एवं इस नेक कार्य की काफी सराहना की गयी।

किसान सम्मान दिवस का आयोजन

प्रयागराज। झूंसी स्थित गोविन्द वल्लभ पन्त संस्थान परिसर सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस पर किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज निदेशक डॉ० संजय सिंह ने द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उपकृषि निदेशक एसपी श्रीवास्तव द्वारा अतिथि को शोभागार का पौध प्रदान कर उनका स्वागत किया। जनपद प्रयागराज के अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने वाले कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यान विभाग के 06–06 कृषकों को कुल 24 तथा कृषि विविधीकरण अपनाने वाले 01–01 पुरुष एवं महिला कृषकों को विशिष्ट पुरस्कार से डॉ० संजय सिंह निदेशक भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज द्वारा सम्मानित किया गया। पशपालन विभाग द्वारा डेयरी उत्पादन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले कृषक रमा शंकर, वि०ख०–सहसों, कृष्ण गोविन्द पटेल, सोरांव, आरती मिश्रा उरुवा एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले दीना नाथ पाल माण्डा, रीता देवी उरुवा एवं सुनील कुमार सिंह होलागढ़ रहे।

महाकुम्भ में सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं। आवास इंटेलिजेंस बढाएं।

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार ने कहा है कि महाकुंभ से पहले प्रयागराज में चल रहे सभी टैक्सी, ऑटो, ई–रिक्शा

चालकों का पुलिस सत्यापन कराया जाए। यूपी पुलिस को इंटेलिजेंस को और बेहतर करने तथा भारत सरकार की सुरक्षा एजेंसियों के साथ लगातार संवाद–समन्वय बनाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई हुई है।प्रधानमंत्री मोदी ने श्सुरक्षित महाकुम्भश की परिकल्पना की है। इसके दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं। अब तक जिन 20 हजार पुलिसकार्मिकों की तैनाती हुई है, उन सभी का प्रशिक्षण जरूर कराया जाए। फायर सेफ्टी, घाट सुरक्षा, चिकित्सा सहायता व्यवस्थाओं को पुख्ता बनाए। स्वच्छता पर 10 हजार कर्मचारियों की तैनाती कर यहां की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जाए।

एकत्तर हजार लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

प्रयागराज। फाफामऊ स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केन्द्र में चौदह वे रोजगार मेला की मुख्य अतिथि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया

पटेल ने केन्द्रीय सशस्त्र बलों एवं अन्य विभागों के चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति–पत्र प्रदान किया। उन्होंने नवनियुक्त उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें राष्ट्र के प्रति सत्यनिष्ठा, सेवा एवं समर्पण की भावना के साथ अपने नये दायित्यों के निर्वहन करने का संकल्प लेने के लिये प्रेरित किया। रोजगार मेला में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (507), सशस्त्र सीमा बल (15), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (30), भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल (41), असम राईफल (40), रेलवे (20), बैंक (22), पोस्ट आफिस (22) सहित 697 अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। पुलिस महानिरीक्षक मध्य क्षेत्र केरिपुबल लखनऊ नरेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक केरिपुबल ग्रुप केन्द्र, प्रयागराज धीरज कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक केरिपुबल प्रयागराज रेंज सुनीत कुमार राय, उप कमांडेंट पीके अटल उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या, 24/83 दिनांक 20.12.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.: 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30242486	डम्प वाल्व विथ ब्रेकेट	109 नग	20.01.2025
2	38241858B	सेकेण्डरी लेशिंग चेन कम्प्लीट	5473 नग	13.01.2025
3	30242713A	एक्सल बाक्स पिवेट बुश	2975 नग	22.01.2025
4	64245326	हाइड्रॉलिक मोटर/पम्प	239 नग	27.01.2025
5	64245333	हाइड्रॉलिक वैरियबल पम्प	67 नग	20.01.2025
6	64245247	कैटरपिलर इंजन 700 बीएचपी एण्ड 275 बीएचपी	02 नग	06.01.2025
7	64245234	इयूटूज डीजल इंजन	01 नग	10.01.2025
8	64245313	स्टोन 10वी एसटीडी	900 नग	03.02.2025
9	63245454	मैनुफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ हाई वीसकौस नायलन-66 इनसुलेटिंग लाइनर (एचवीएन) लाइनर) आरडीएसओ ड्राइंग नं0.टी-3707 एण्ड टी-3708 एण्ड आरडीएसओ ड्राइंग नं0. टी 3702	125000 सेट/नग	28.01.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा

2161/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा ने अमर चंद्रशेखर आजाद पार्क से महाकुम्भ स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया। स्वच्छता प्रीमियर ट्रॉफी का अनावरण किया।

ऑन–साइट किया गया इमेरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास

प्रयागराज।।अपराह्न 03रू00 बजे ऑन –साइट साइट इमेरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास किया गया। इस अवसर पर छज्ब्ब से मो. इरशाद जी,ए.के.श्रीवास्तव, श्याम सिंह घ्फ़.एस.एस.ओ. रमई राम फायर स्टेशन सोरांव,अशोक कुमार मिश्र फायर स्टेशन सोरांव व उनका क्रू, वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक इफको फूलपुर संजय कुदेशिया, वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय वैश्य जी (टेक्नीकल),अनीता मिश्रा संयुक्त महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), पी0 के0 वर्मा संयुक्त महाप्रबंधक (यूरिया),शम्भू शेखर उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन), संजीव कुमार (मुख्य प्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा) व समस्त संयुक्त महाप्रबंधक / उपमहाप्रबंधक, एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे। आन साइट इमरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास, अमोनिया स्टोरेज टैंक क्षेत्र में किया गया। इस पूर्वाभ्यास में अमोनिया स्टोरेज टैंक 2103 F के Control Valve EVM – 3501 के फ्लैंज में अमोनिया के रिसाव जैसी स्थिति को दर्शाया गया है। ड्रिल के अनुसार सर्व प्रथम अमोनिया स्टोरेज टैंक क्षेत्र के प्रचालक ने अमोनिया रिसाव की सूचना पाली प्रभारी (अग्नि एवं सुरक्षा) तथा पाली अभियंता (बैगिंग) को दी। घटना की सूचना मिलते ही पाली प्रभारी (अग्नि एवं सुरक्षा) ने अपने दल के साथ हवा के विपरीत दिशा से घटना स्थल पर पहुँच कर रिसाव को नियंत्रित करने की कार्यविधि चालू कर दी। अमोनिया रिसाव को अनियंत्रित होते देख साइट इंसिडेंट कन्ट्रोलर श्री अचल जौहरी जी ने मुख्य इंसिडेंट कन्ट्रोलर इफको फूलपुर वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक श्री संजय कुदेशिया जी को आपात स्थिति के बारे में बताया। मेंन इंसिडेंट कंट्रोलर ने तुरंत पाली प्रभारी (अग्नि एवं सुरक्षा) को इमरजेंसी सायरन बजाने हेतु निर्देश दिया। सायरन के बजते ही समस्त संबंधित अधिकारी, अग्नि एवं सुरक्षा विभाग का दल, प्रबंधक, उप–प्रबंधक, (अग्नि एवं सुरक्षा) तथा समस्त वरिष्ठ अधिकारी गण घटना स्थल पर पहुँच गये। सारी कार्यवाही एक्शन प्लान के अनुसार, योजना बद्ध तरीके से करने लगे। अग्निश्मन दल ने हवा के विपरीत दिशा में अपने वाहनों को खड़ा करके ब्रीथिंग आपरेटस पहन कर दुर्घटना स्थल का दौरा किया और रिसाव की स्थिति को देखकर, मॉनिटर, टेंडर एवं ट्राली की मदद से उसे नियंत्रित करने के कार्य में जुट गये। इस दौरान अग्निश्मन एवं सुरक्षा विभाग के बचाव दल ने दुर्घटना क्षेत्र से एक दुर्घटना ग्रस्त मजदूर को निकाल कर चिकित्सा विभाग के एम्बुलेंस द्वारा उपचार केंद्र इफको तक पहुंचाने का कार्य किया। एस0 एन0 पटेल मुख्य प्रबंधक ऑफसाइट अनुरक्षण व् उनकी टीम को वाल्व सही करने के लिए बुलाया गया और उन्होंने अग्नि एवं सुरक्षा की सहायता से बीए सेट व् गैस टाइट सूट पहन कर वाल्व को सही किया व् प्रचालक ऑफसाइट ने बीए सेट व् गैस टाइट सूट पहन कर वाल्व बंद किया जिससे अमोनिया का रिसाव बंद हुआ । जिसकी जानकारी साइट इंसिडेंट कंट्रोलर ने मेन इंसिडेंट कंट्रोलर संजय कुदेशिया को दी । मेंन इंसिडेंट कंट्रोलर ने इमरजेंसी क्लियर का सायरन बजाने का निर्देश पाली प्रभारी अग्नि एवं सुरक्षा को दिया। इस दौरान साइट इंसिडेंट कन्ट्रोलर, बॉकी टॉकी द्वारा केंद्रीय नियंत्रण कक्ष में मेन इंसिडेंट कंट्रोलर को लगातार स्थिति की सूचना देते रहे। क्लोजिंग मीटिंग में महा प्रबंधक संजय वैश्य,पी0 के0 वर्मा संयुक्त महाप्रबंधक (यूरिया),, आई० ओ०ए० महामंत्री स्वयं प्रकाश,डॉ अनिता मिश्रा,डॉ सत्य प्रकाश,रत्नेश कुमार,अरुण कुमार उपस्थित हुए। मेन इंसिडेंट कन्ट्रोलर श्री संजय कुदेशिया जो के निर्देशन में पूरी टीम ने आपात योजना के अनुसार संचालन किया। सुरेंद्र सिंह बिष्ट (फायरमैन) ने संबंधित अधिकारियों को यह एक ड्रिल है कहते हुए निरंतर सूचित किया। मॉक ड्रिल के उपरान्त रिव्यु मीटिंग का संचालन संजीव कुमार (मुख्य प्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा) ने किया तथा आये हुए आगंतुको का संयुक्त महाप्रबंधक (उत्पादन) संजय भंडारी व संयुक्त महाप्रबंधक (यूरिया) पी0 के0 वर्मा ने आभार प्रकट किया।

सीएम योगी ने एयरपोर्ट पर भी तैयारियों का लिया जायजा

प्रयागराज।। प्रयागराज में महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूबेदारगंज फ्लाई ओवर के निरीक्षण के बीच प्रयागराज एयरपोर्ट में भी यात्रियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं और सुविधाओं के विस्तार का जायजा लिया। अपने निर्धारित समय के बीच उन्होंने एयरपोर्ट में जाकर पूरी साइट का मुआयना किया और एयरपोर्ट के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने एयरपोर्ट में चल रहे समस्त कार्यों पर संतोष जताया और जनवरी के प्रथम सप्ताह में सभी कार्यों को पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ के दौरान बड़ी संख्या में लोग एयरपोर्ट के माध्यम से भी प्रयागराज आएंगे। इसके लिए सीएम योगी के निर्देश पर प्रयागराज एयरपोर्ट में भी यात्री सुविधाओं को लेकर व्यापक पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। युद्धस्तर पर जारी हैं तैयारियां। प्रयागराज एयरपोर्ट के डायरेक्टर मुकेश उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने तय कार्यक्रम के बीच में समय निकालकर एयरपोर्ट पर महाकुम्भ की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उन सभी तैयारियों को देखा जो खासकर महाकुम्भ के दृष्टिगत की जा रही हैं। पुरानी बिल्डिंग और पार्किंग में जो विस्तार किया गया है वो उससे पूरी तरह संतुष्ट नजर आए। वहीं, नई बिल्डिंग में जो नया विस्तार किया जा रहा है, उन्होंने उसका भी अवलोकन किया। वह सभी तैयारियों से संतुष्ट रहे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि चूंकि महाकुम्भ 13 जनवरी से प्रारंभ हो रहा है ऐसे में यात्रियों का आवागमन बढ़ेगा, ऐसे में एयरपोर्ट पर सभी तैयारियां जनवरी के प्रथम सप्ताह में पूरी कर ली जाएं। मुकेश उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर तीन से चार मिनट तक तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान प्रोजेक्ट साइट पर पूरा ले आउट प्लान भी देखा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप एयरपोर्ट पर तैयारियां उसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और हमारे समस्त कार्य 31 दिसंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर महाकुम्भ को लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं और हम दिन के साथ–साथ रात में भी फ्लाइट लैंडिंग के लिए तैयार हैं।

मन को परमात्मा में लगाने से ही जीव का कल्याण संभव - आचार्य सदाशिव तिवारी

प्रयागराज। श्री राम लला गुरुकुल वैदिक पाठशाला के संस्थापक आचार्य सदाशिव तिवारी ने कहा कि प्रत्येक मानव अपना कल्याण चाहता है लेकिन कल्याण कैसे होगा कल्याण का वास्तविक अर्थ क्या है इन बातों पर मनुष्य विचार नहीं करता है, इसलिए जीवन भर मनुष्य दुखी रहता है। कल्याण का तात्पर्य है दुख सुख को भोगते हुए मान अपमान को एक जैसे समझते हुए परमानंद का नित्य अनुभव ही मनुष्य का कल्याण है। आध्यात्म मार्ग पर चलकर ही मनुष्य का कल्याण संभव है। मन ही मनुष्य के बंधन का कारण है तथा मुक्ति का भी कारण है। विषय आसक्त मन बंधन का कारण है तथा विषयवासना रहित परमात्मा में लगा हुआ मन मुक्ति का साधन है। दुख और विपत्ति में पड़ने पर हमें व्याकुल नहीं होना चाहिए बल्कि प्रभु का आश्रय लेकर कर्तव्यों का दृढ़तापूर्वक पालन करते हुए शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहिए।

रामनगरी को पर्यटन नगरी न बनाए धार्मिक नगरी है इसी भाव से अयोध्या पधारे - गोपाल कृष्ण पाराशर

अयोध्या ब्यूरो रामनगरी अयोध्या में गोपाल कृष्ण पाराशर महाराज द्वारा आयोजित श्री राम कथा का आयोजन भक्तों के लिए एक अद्वितीय और भावनात्मक अनुभव है। पाराशर महाराज ने अयोध्यापुरी के धार्मिक महत्व को उजागर करते हुए कहा कि यह स्थान केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक पवित्र धार्मिक नगरी है, जहां आकर हर व्यक्ति को भगवान राम का ध्यान और स्मरण करना चाहिए। महाराज ने विशेष रूप से यह भी बताया कि अयोध्या में स्थित प्रमुख तीर्थस्थलों जैसे माता सरयू, हनुमानगढ़ी, कनक भवन और राम मंदिर में दर्शन करना एक महान अवसर है। उन्होंने भक्तों से आग्रह किया कि वे यहां आने के बाद केवल घूमने–फिरने के बजाय, इस पवित्र स्थान पर समय बिताते हुए भगवान का ध्यान करें और यहां की स्वच्छता का ख्याल रखें, क्योंकि तीर्थ क्षेत्र में किया गया हर कार्य एक अमिट छाप छोड़ता है। पाराशर महाराज ने यह भी बताया कि राम मंदिर का निर्माण 540 वर्षों के कठिन संघर्ष और समर्पण के बाद हुआ है, और यह हमारे लिए सौभाग्य का विषय है कि इस पीढ़ी को अपने भगवान राम के मंदिर को दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। अयोध्या आने वाले भक्तों को यह समझना चाहिए कि यह स्थान केवल धार्मिक अनुभव का नहीं, बल्कि इतिहास और संस्कृति का भी केंद्र है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच की आवश्यक बैठक आज

प्रयागराज। महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय विचार मंच की आवश्यक बैठक प्रयागराज, (नि. स.)–ष् महात्मा गाधी अन्तर्राष्ट्रीय विचार मंच के तत्वाधान मेमहाकुम्ह के अवसर पर,कल 24दिसम्बर –24 को पूर्वाह 11रू00बजे से आगामी फ़रवरी –25मे प्रस्तावित दो दिवसीय सम्मलेन ––ष्गाँधी दर्सन एवं विश्व शांति ष्––हेतु आयोजक कोर कमेटी की जरुरी बैठकष् डॉ. सी. पी शर्मा क्लासेज ष्––भवन (कमला नहरू अस्पताल, बालसन चौराहा के पास) मे होंगी. जिसमे मुंबई के शांति दूत श्री प्रकाश अर्जुन वार भी शामिल होंगे. सम्बंधित लोगो की सहभागिता वांचित।

एक महीने बाद भी चोरों का पता नहीं लगा पाई अतरसुइया पुलिस

प्रयागराज। जनपद में चोरों के हौसले बुलंद हैं लेकिन पुलिस उन तक पहुंचने में अपने आप को असहाय पा रही है। अतरसुइया थाना क्षेत्र के मीरापुर निवासी दिनेश त्रिपाठी का परिवार 19 नवंबर को नैनी में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। रात में चोर घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर व नकदी उठा ले गए। जानकारी मिलने पर 20 नवम्बर को घटना की लिखित जानकारी पुलिस को दी गई तो चौकी इंचार्ज मौके पर जाकर खानापूर्ति कर वापस लौट आए। काफी प्रयास के बाद 26 नवम्बर को घटना की एफआईआर दर्ज की गई। 30 नवम्बर को विवेचना अधिकारी गए और घटनास्थल देखकर चले आये। इस बीच जीवन भर की जमा पूंजी लुट जाने की चिंता से आहत दिनेश त्रिपाठी की बुजुर्ग मां ने यह कहते कहते कि मेरी बहू का सब कुछ चला गया।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित दशाश्वमेध घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा मइया की आरती उतारी और दशाश्वमेध महादेव मंदिर में दर्शन–पूजन कर महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए आशीर्वाद मांगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित एवं कम करने के लिये सड़क सुरक्षा नियमों का सभी से कड़ाई से अनुपालन करायें एवं लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अभियान चलाकर शहर की सड़कों पर किए गए अतिक्रमण हटाए जाएं जिससे सड़कों पर यातायात सुगम हो सके। प्रभारी यातायात को निर्देशित किया गया कि सड़को पर जो भी गाड़ियों सही तरीके से न खड़ी हो उन पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होने निर्देशित किया कि यातायात चेकिंग के दौरान गलत तरीके से फोटो खींचकर चालान न किया जाये बल्कि उन्हे रोककर यातायात के नियमों के बारे में जानकारी दें और उसके बाद चालान करें, चालान के जो भी प्रकरण लम्बित है उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाये। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी ग्राम पंचायतों में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिये हेलमेट लगाने से सम्बन्धित वाल पेन्टिंग और बैनर लगाये जाये जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन सड़कों पर जो भी दुर्घटनायें हो उसके दूसरे दिन सम्बन्धित विभाग के अधिकारी से जांच करा ली जाये जिससे पता चल सके कि किस वजह से दुर्घटना घटित हुई है। बैठक में बताया गया कि महाकुम्भ व कोहरे के दृष्टिगत सड़को पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवाये जा रहे है। बैठक में जिलाधिकारी ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निर्देशित किया बाइक चला रहे लोगों को हेलमेट पहनने की आदत ज्यादा से ज्यादा डालें, लोगों को हेलमेट, सीटबेल्ट लगाने के लिए जागरूक करे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया फिटनेस समाप्त स्कूली वाहनों को संचालित न किया जाये तथा स्कूली बच्चों को सुरक्षित परिवहन प्रदान किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, एआरटीओ प्रवर्तन डॉ दिलीप कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, ईओ नगर पालिका राकेश कुमार, ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह सहित विभाग के अधिकारियों कर्मचारी मौजूद रहे।

पत्रकारों की आवाज को आखिरी सांस तक कभी दबने नहीं दूंगा - शील गहलौत

प्रयागराज। ब्यूरो अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत (पंजीकृत) की एक महत्वपूर्ण बैठक सुल्तानपुर जिले के लंभुआ तहसील में आयोजित हुई। जिसमें जिले के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्यों की मौजूदगी रही। और पुनः जिले की कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। जिसमें संगठन में आस्था रखते हुए तमाम पत्रकारों ने अपवा की सदस्यता ली। वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार रजक को जिलाध्यक्ष, अमरजीत पांडेय उपाध्यक्ष, विमलेश कुमार को महामंत्री, संजय कुमार कसौधन संगठन मंत्री, संतोष कुमार पांडेय कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार राणा आय व्यय निरीक्षक, वरिष्ठ पत्रकार डॉ अशोक कुमार वर्मा सलाहकार, रविन्द्र नाथ दुबे तहसील अध्यक्ष लंभुआ, भास्कर पांडेय तहसील अध्यक्ष जयसिंह पुर मनोनीत किया गया। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में पहुंचे अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दैनिक सावन साहिल व न्यूज सावन साहिल समाचार पत्र के संपादक शील गहलौत ने दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के बाद बैठक का शुभारंभ किया। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा की अपवा सभी पत्रकारों के मान सम्मान और अधिकार की लड़ाई व्यापक स्तर पर लड़ रहा है। पत्रकार सुरक्षा, पत्रकार बीमा, पत्रकार आयोग, पत्रकार अधिनियम, पत्रकार पेंशन और कवरेज करने गए पत्रकार के आकस्मिक मृत्यु होने पर आर्थिक मदद, दुर्घटना होने की स्थिति में उपचार अनुग्रह राशि प्रदान किए जाने के साथ ही पत्रकार के परिजनों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान किए जाने की सरकार से मांग किया जाता रहा है। आगे राष्टीय अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार सदैव अपनी जान जोखिम में डाल करके पीड़ितों की आवाज बनने का काम सदियों से करता आ रहा है। सुबह से निकलने वाला पत्रकार शाम को घर तो किसी तरह पहुंच जाता है पर घर की अन्य जरूरत की भरपाई करने में वह असमर्थ रहता है ऐसी स्थिति में सरकार से मांग करते हुए कहा है कि नियमित पत्रकारों को हर महीने मानदेय की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाय। आगे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अपवा पत्रकारों की आवाज को एक अरसे से बुलंद करता रहा है यह आवाज मेरे आखिरी सांस तक अपनी मांगों को मनवाने तक बुलंद होती रहेगी। पत्रकारों की आवाज बुलंद करते करते आज यह अपवा संगठन हर पत्रकारों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। आज या संगठन उत्तर प्रदेश से लेकर के बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, दिल्ली, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान आदि प्रदेशों तक व्यापक स्तर तक संघर्षरत है। अपवा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वांचल प्रभारी जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह संगठन पत्रकारों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062